संसदीय क्षेत्र कोटा में राजस्थान पेंशनर्स समाज के वार्षिक उत्सव में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

पेंशनर्स समाज के वार्षिक उत्सव में उपस्थित सभी पेंशनर्स समाज को मैं प्रणाम करता हूं। जब भी, मैं आपके बीच में आता हूं, तो मुझे लगता है कि आप मेरे मार्गदर्शक हैं। आपकी उसी ऊर्जा और प्रेरणा से मेरी कोशिश होती है कि आपकी अपेक्षाएं और आकांक्षाओं पर खरा उतरूं। मेरे पिता जी भी पेंशनर थे और उनके कई साथी अभी भी लगातार इस अधिवेशन में आते रहते हैं। इसलिए मुझे यहां वर्षों से पितातुल्य प्यार मिला है। मेरी राजनीतिक यात्रा में जो कुछ भी योगदान रहा है, उसमें विशेष रूप से पेंशनर्स समाज का योगदान रहा है। आप सभी ने अपनी जिंदगी में अपने जीवन के महत्वपूर्ण दिन देश और इस राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में लगाए हैं। हम लोकतंत्र की 75 वर्ष की यात्रा से गुजर रहे हैं। आज राजस्थान में जो विकास हुआ है, उसमें आप जैसे मनुष्यों का योगदान है। जिन्होंने समर्पण, निष्ठा और ईमानदारी से सेवा करके राजस्थान और देश को ऊचाइंयों पर पहुंचाया है। मुझे याद है कि जब आपने सेवाएं शुरू की थीं, तो उस समय गांवों में रोड नहीं होते थे, पीने का पानी नहीं होता था, कई गांवों में बिजली नहीं होती थी, आवागमन के साधन नहीं होते थे, लेकिन उन कठिनाइयों एवं चुनौतियों के बाद भी आप ने उन गांवों में जाकर लोगों को शिक्षा दी है। आज अगर देश में 80 प्रतिशत से ज्यादा लोग साक्षर हैं, तो वे आप सभी के प्रयासों के कारण हैं। देश के जिन प्रदेशों में शिक्षा पहुंची है, वहां पर समाज में व्यापक परिवर्तन आया है। कई महिला शिक्षिका यहां बैठी हैं, जिन्होंने मुझे भी पढ़ाया है। विकट परिस्थितियों में अपने परिवार को छोड़ कर दूसरे के जीवन में उजाला लाने का काम किया है। चाहे चिकित्सा हो, शिक्षा हो, समाज के दबे-कुचले गरीब व्यक्तियों को सामाजिक योजनाओं के द्वारा उनके जीवन में परिवर्तन का काम हो, रोड हो, नदियां हों, तालाब हों या बांध हों, आपने दीपक की तरह सभी क्षेत्रों में अपना योगदान दिया है।

कोई भी आपदा हो, संकट हो, आपका उस आपदा संकट में भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। जब मैं आपके बीच में आता हूं, तो देखता हूं कि आप में अभी भी उतनी ही ऊर्जा, उत्साह एवं आत्मविश्वास है। यहां पर कई चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ बैठे हैं। आपके सहयोग से बहुत लोगों की जिंदगियां बची होंगी। कोरोना के समय नर्सिंग स्टाफ, डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ हों या ग्रुप सी कर्मचारी हों, सभी ने भारत में अपनी जान को जोखिम में डाल कर लोगों की जिंदगियां बचाई हैं। इसीलिए चिकित्सक वर्ग को भगवान का दर्जा दिया गया है।

लंबी विकास की यात्रा में आपने अपने अलग-अलग विभागों में सेवा की है, उसके बाद भी जब मैं आज आप से चर्चा करता हूं तो मुझे लगता है कि कोटा, राजस्थान के विकास में, समाज में क्या परिवर्तन ला सकते हैं, सामाजिक-आर्थिक जीवन में क्या परिवर्तन ला सकते हैं, उसके लिए आज भी आप सेवा देने को तैयार हैं। जब भी मेरी आप से चर्चा होती है, तो आप कहते हैं कि लोग सरकारी दफ्तर में जाते हैं, लेकिन उनको ठीक से सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। हम उन सभी को सेवाएं देना चाहते हैं। दूर-दराज इलाकों में, कच्ची-बस्तियों में जहां से गरीब बच्चे पढ़ने नहीं जाते हैं, वहां पर आप शिक्षा और चिकित्सा की व्यवस्था कर रहे हैं। इस उम्र में भी आपके काम करने का उत्साह और निष्ठा को देख कर लगता है कि आप जैसे लोगों के कारण ही आज भारत लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। मैं देखता हूं कि कई राजनीतिक नेता 60 साल के बाद भी जवान नजर आते हैं और उनकी इच्छा रहती है कि लगातार सेवा करता रहूं। आप सभी सरकारी सेवा में होने के बाद समाज को पूरी जिंदगी समर्पित करने के बाद कहते हैं कि हम नि:शुल्क और नि:स्वार्थ भाव से अभी भी समाज की सेवा के लिए तत्पर हैं। किस तरह से हम अलग-अलग विभागवाइज, जो अपनी सेवाएं दे सकते हैं, उनकी कार्य योजना बनाएं, ताकि हम कोटा के विकास की योजनाएं बना सकें और लोगों एवं समाज में परिवर्तन ला सकें। इसके लिए आप हमेशा सेवाएं देते हैं। मुझे पता है कि इस उम्र में आपके सामने कई कठिनाइयां और कई

चुनौतियां हैं। आपमें उन चुनौतियों और कठिनाइयों से लड़ने का आत्मविश्वास है। मैं यही कह सकता हूं कि मैं आपका बेटा हूं, आपका भाई हूं। मेरे लायक कभी भी कोई सेवा हो, किसी भी स्तर की सेवा हो, मैं उसके लिए हमेशा तैयार हूं। किसी भी प्रदेश में मेडिकल से संबंधित काम हो या अन्य किसी भी प्रकार का काम हो, मैं आपकी सेवा के लिए हमेशा तैयार हूं। मुझे आशा है कि राज्य सरकार से संबंधित जो विषय थे, उसके लिए माननीय मंत्री जी ने आपको आश्वस्त किया है कि उन बातों पर सरकार सहानुभूतिपूर्ण विचार कर रही है। मैंने भी आपकी भावनाओं को उन तक पहुंचाया है। राज्य मंत्री जी के माध्यम से मुख्यमंत्री जी तक हमारी भावनाएं पहुंचेंगी। जो कुछ भी गैप है, उसके लिए राज्य सरकार और क्या-क्या काम कर सकती है, हम उसके लिए प्रयास करेंगे। निश्चित रूप से कोई भी सामाजिक काम हो या अन्य किसी तरह का काम हो, आप लोग काम करें। हम पेंशनर भवन में एक अच्छी लाइब्रेरी बनाएंगे। उस लाइब्रेरी में लगातार रिसर्च करते रहें। मैं पेंशनर्स समाज की लाइब्रेरी को संसद की लाइब्रेरी के साथ कनेक्ट कर दूंगा, ताकि आजादी के पहले और आजादी के बाद की लोकतंत्र की यात्रा और लाखों किताबें आप यहां पर पढ़ सकें। हम एक श्रेष्ठ पुस्तकालय पेंशन भवन में बनाएं, ताकि बुजुर्ग लोग यहां पर आकर अध्ययन करें और आवश्यता होने पर वे घर पर किताबें ले जाएं। हमने संसद में ऑनलाइन डिलीवरी शुरू की है। इस उम्र में लोग किताबों का अध्ययन करते रहते हैं। इससे टाइम भी पास होता है और उनकी जानकारी का लाभ समाज को भी मिलता रहता है।

मुझे आशा है कि आपका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। आपके जीवन के जो कुछ भी अनुभव हैं, उन अनुभवों का लाभ मुझे लिख कर दें, व्यक्तिगत रूप से मिल कर दें, ताकि हम आपके अनुभवों के आधार पर कोटा, राजस्थान का विकास कर सकें। हम देश के लोकतंत्र को किस तरह से और ज्यादा सशक्त कर सकें, ज्यादा मजबूत कर सकें, ज्यादा पारदर्शी बना सकें, ज्यादा जवाबदेही बना सकें, ताकि एक सकारात्मक परिवर्तन इस देश में आए।